प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर में जल गुणवत्ता अधिनियम पर प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारम्भ

पंतनगर। 04 सितम्बर, 2018। पंतनगर विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिक महाविद्यालय में आज 'ज्ञान' परियोजन के अंतर्गत 'जल गुणवत्ता अधिनियम एवं प्रतिरूपण दृष्टिकोण' विषय पर पांच-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा थे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में इस विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ, इमाम खमैनी इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी कजवीन, ईरान के डा. अली महदवीमैदेह, जो वर्तमान में जर्मन के रूर यूनिवर्सिटी बुकुम में कार्यरत हैं, उपस्थित थे।

कुलपति प्रो. मिश्रा द्वारा अपने उद्घाटन संबोधन में जल संरक्षण, वर्षा-जल संचयन एवं जल की गुणवत्ता तथा पर्वतीय क्षेत्रों में प्राकृतिक जल स्रोतों जैसे गधेरे, झरने आदि के संरक्षण पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने कार्यक्रम के सफल क्रियान्वन की आशा प्रकट की।

अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ, डा. अली महदवीमैदेह द्वारा अपने व्याख्यान में अगले पांच दिनों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेष रूप से पानी की गुणत्ता एवं उसकी गुणवत्ता में सुधार पर विशेष बल दिए जाने के लिए कहा गया। साथ ही इस कार्य हेतु पंतनगर विश्वविद्यालय, ईरान विश्वविद्यालय तथा रूर विश्वविद्यालय जर्मनी के साथ मिलकर शोध कार्यक्रम चलाए जाने पर जोर दिया गया।

उद्घाटन समारोह में अधिष्ठाता प्रौद्योगिक महाविद्यालय, डा. एच.सी. शर्मा द्वारा विश्वविद्यालय के कुलपति सहित कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में ज्ञान पाठ्यक्रम के स्थानीय समन्वयक, डा. एस.जे.शिव प्रसाद द्वारा अवगत कराया गया कि भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा उत्तराखण्ड में ज्ञान कार्यक्रम हेतु पंतनगर विश्वविद्यालय के प्रौद्योगिकी महाविद्यालय को ही अधिकृत किया गया है। इस कार्यक्रम में विदेशों के विषय विशेषज्ञों (वैज्ञानिकों) को आमंत्रित किया जाता है। इस कार्यक्रम की विषय समन्वयक, डा. ज्योति प्रसाद, प्राध्यापक, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, हैं।

आजकल मानवीय क्रियाओं द्वारा जल की गुणवत्ता में तेजी से हुए परिवर्तन एवं पर्वतीय क्षेत्रों पर पड़ने वाले प्रभावों को समझने के लिए सशक्त कदम उठाए जाने की आवश्यकताओं के दृष्टिगत प्रौद्योगिकी महाविद्यालय द्वारा यह पांच-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन ०८ सिंतबर २०१८ को होगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में विभिन्न राज्यों के प्रशिक्षणार्थियों के साथ ही विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों द्वारा भी प्रतिभाग किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जल की गुणवत्ता और उसके प्रतिरूप दृष्टिकोण के विषयों पर रहेगा। साथ ही तापमान में निरंतर परिवर्तन एवं अनियमित वर्षा, पर्वतीय क्षेत्रों तथा हिमशिखरों में परिवर्तन, जिनका उचित संरक्षण किया जाना है, के उत्तरदायी कारणों पर विचार करना भी इसका उद्देश्य है। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों जैसे अलीगढ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ; बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, बनारस; क्षात्रपति शिवाजी महाराज यूनिवर्सिटी, कानपुर; अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई; मोनार्ट यूनिवर्सिटी, नोएडा; केन्द्रीय जल एवं मृदा संरक्षण संस्थान, देहरादून; इलाहाबाद कृषि विश्वविद्यालय तथा पंतनगर विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। ज्ञान पाठ्यक्रम भारत के श्रेष्ठ संस्थानों जैसे विभिन्न भारतीय प्रौद्योगिक संस्थानों (आई.आई.टी.) एवं पंतनगर विश्वविद्यालय में आयोजित किया जाता है।

उदघाटन सत्र में उपस्थित अतिथियों को सम्बोधित करते कुलपति प्रो. ए.के. मिश्रा।

(नरेश कुमार)
समाचार समन्वयक